

: ॐ :

श्रीराम - ऋणायन

(‘यमक’-‘श्लेष’-मय काव्य)

७१० धीरेन्द्र वर्मा पुस्तक-संग्रह

रचयिता

हृषीकेश चतुर्वेदी

शिवलाल अग्रवाल एण्ड कं. प्राइवेट लि.

पुस्तक प्रकाशक तथा विक्रेता

आगरा